Report
of
Department of Hindi
(2024-25)

Mehr Chand Mahajan
DAV College for Women
Sector-36/A, Chandigarh

www.mcmdavcw-chd.edu
0172- 2603355, 0172- 2624921

1. **Name of the Department : Hindi**
2. **Year of Establishment : 1968**
3. **Names of Programmes/Courses offered (UG, PG, M.Phil, Ph.D, Integrated Mastersetc.)**

I. UG

II. PG

III. BA Hons.

Skill-based Workshops/ Extension Lectures/Panel Discussions organized by the Department in the session:

Title	Date	Objective	No. of Students benefitted	Name/Designation/Organization of Resource Person/s
Munshi Prem Chand Jyanti	**30-07-2024**	1.To honor the literary legacy and contributions of Munshi Premchand to Hindi and Urdu literature. 2.To spread awareness about social issues highlighted in his works, such as poverty, caste discrimination, and women's rights. 3.To inspire young writers to use literature as a tool for social change, as Premchand did. 4.To promote reading habits and appreciation for classical Indian literature. 5.To reflect on the moral and ethical values embedded in his stories and their relevance today.	**40**	**Dr. Nisha Bhargava**
Marked the celebration of Hindi Diwas with a Poetry Writing Workshop and Kavi Sammelan	**12-09-2024**	1.To promote the richness and beauty of Hindi language through poetry and creative expression. 2.To encourage poets and writers to continue contributing to Hindi literature. 3.To instill pride and awareness among the youth about Hindi as a cultural and national language. 4.To provide a platform for emerging and established poets to showcase their talent. 5.To celebrate linguistic unity and strengthen the role of Hindi in national integration.	**100**	**Shri prem vij, Chairman, Samvad Sahitya Manch,** **Dr Anish Garg, Executive Chairman, Akhil Bhartiya Kavi Parishad** **Dr Vinod kumar, Vice Chairman, Samvad Sahitya Manch**

Educational tour to Kurushetra	**27-02-2025**	1.To help students connect with the historical and spiritual significance of Kurukshetra as the land where Lord Krishna delivered the Bhagavad Gita. 2.To explore the philosophical and ethical teachings of Krishna literature in real-life context through visits to places like Jyotisar—the site of Gita Updesh. 3.To understand the role of Lord Krishna as a strategist, guide, and spiritual mentor during the Mahabharata, enriching students' knowledge of Indian epics. 4.To inspire moral and value-based thinking among students through exposure to Krishna's teachings on duty (dharma), karma, and devotion. 5.To appreciate the literary, cultural, and artistic expressions of Krishna's life and message through museums, sculptures, and storytelling traditions in Kurukshetra.	**26**	**Dr. Sarita Chauhan, HOD, Department of Hindi, MCM DAV College for Women** **Dr. Sunita Kumari, Assistant Professor, Department of Hindi, MCM DAV College for Women** **Dr. Deepshikha Sharma, Assistant Professor, Department of Hindi, MCM DAV College for Women**

4. Projects/ Awards/Positions bagged by students:

Name and Class	Name of the Award/Project/Position	Name of the Agency/University	Month/Year
Tanu	**1st in 1st sem M.A Hindi**	**P.U Chandigarh**	**March 2025**
Shreya	**IInd in 1st sem M.A Hindi**	**P.U Chandigarh**	**March 2025**
Jannat	**Award of Prem Chand Kahani Puruskar Silver Medal**	**P.U Chandigarh**	**November 2024**
Jaya	**Ist in Story Writing Competition in Zonal Youth and Heritage Festival**	**P.U Chandigarh**	**October 2024**
Radhika Arora	**IInd in Poetry Writing Competition in Zonal Youth and Heritage Festival**	**P.U Chandigarh**	**October 2024**
Anvee Thakur	**IIIrd in Essay Writing Competition in Zonal Youth and Heritage Festival**	**P.U Chandigarh**	**October 2024**
Nandini Sharma	**1st prize in inter-college Poetry Recitation Competition**	**P.G.G.C sector 46 Chandigarh**	**January 2025**

Details of Publications by the Faculty in the session: (Hard Copies of the Title Page of the Journal/Contents and First page of the Paper to be collected by the HODs)

Permanent Faculty/ Contractual faculty	Title of Paper	Title of the Journal with ISSN	Month/ Year	PEER Reviewed/ Refereed	UGC/CARE Enlisted (Yes/No)	URL
Dr Sarita Chauhan	**'Dilo Danish : Nari Sanghar sh ka Dastavez'**	**Shodh Samalochan, ISSN 2348-5639,**	**August, 2024**	**International Peer Reviewed and Refereed Quarterly Research Journal,**		

एमसीएम ने भक्तिकालीन कृष्ण साहित्य की समझ हेतु कुरुक्षेत्र में दिवसीय शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया

चंडीगढ़, स्टेट समाचार।

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने भक्तिकालीन कृष्ण साहित्य को जानने और समझने की दृष्टि से कुरुक्षेत्र का शैक्षिक दौरा आयोजित किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भक्तिकाल में रचित कृष्ण साहित्य के संदर्भों को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समझना था। इस यात्रा में कृष्ण संग्रहालय, ज्योतिसर, ब्रह्म सरोवर, धरोहर संग्रहालय का दौरा किया गया।

विद्यार्थियों ने इस कृष्ण संग्रहालय में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े विभिन्न चित्रों, मूर्तियों और पांडुलिपियों का अवलोकन किया। यहाँ प्रदर्शित कलाकृतियों ने भक्तिकालीन साहित्य में वर्णित कृष्ण के विभिन्न रूपों को सजीव रूप में समझने में सहायता की। ज्योतिसर महाभारत के दौरान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को गीता का उपदेश देने के लिए प्रसिद्ध है। विद्यार्थियों ने यहाँ गीता के शाश्वत सिद्धांतों को समझा और भक्तिकालीन कवियों द्वारा गीता के प्रभाव को अपने साहित्य में किस प्रकार समाहित किया गया, इस पर विचार-विमर्श किया। धरोहर संग्रहालय हरियाणा की लोक संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। यहाँ विद्यार्थियों ने भक्तिकालीन संतों की कृतियों में वर्णित ग्रामीण जीवन, लोक परंपराओं और भक्ति आंदोलन के प्रभावों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। ब्रह्म सरोवर इस यात्रा का अंतिम पड़ाव रहा। इस पवित्र स्थल के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को जानने के साथ-साथ वि द्यार्थियों ने कृष्ण भक्ति से जुड़े संतों की काव्य रचनाओं में जल तत्व और तीर्थ स्थलों की महत्ता पर चर्चा की। शैक्षिक दृष्टि से इस यात्रा से विद्यार्थियों में महाभारत, गीता और कृष्ण भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता को वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समझने में मदद मिली और साथ ही विद्यार्थियों में साहित्यिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक विषयों के प्रति जिज्ञासा बढ़ी और उन्होंने इसे अकादमिक शोध से जोड़ने का प्रयास किया।

इस यात्रा में हिंदी एम.ए., बी.ए. और ऑनर्स के 27 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे उनकी भक्तिकालीन कृष्ण साहित्य के प्रति गहरी रुचि प्रदर्शित हुई। विद्यार्थियों ने इस यात्रा को अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक पाया। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की शैक्षिक यात्रा विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुझान पैदा करती है और भक्तिकालीन कृष्ण साहित्य में शोध के लिए भी गहन समझ विकसित करती है।

श्रीकृष्ण संग्रहालय

एमसीएम ने भक्तिकालीन कृष्ण साहित्य को समझने के लिए कुरुक्षेत्र में एक दिवसीय शैक्षिक यात्रा का किया आयोजन

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने भक्तिकालीन कृष्ण साहित्य को जानने और समझने की दृष्टि से कुरुक्षेत्र का शैक्षिक दौरा आयोजित किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भक्तिकाल में रचित कृष्ण साहित्य के संदर्भों को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समझना था। इस यात्रा में कृष्ण संग्रहालय, ज्योतिसर, ब्रह्म सरोवर, धरोहर संग्रहालय का दौरा किया गया। विद्यार्थियों ने इस कृष्ण संग्रहालय में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े विभिन्न चित्रों, मूर्तियों और पांडुलिपियों का अवलोकन किया। यहाँ प्रदर्शित कलाकृतियों ने भक्तिकालीन साहित्य में वर्णित कृष्ण के विभिन्न रूपों को सजीव रूप में समझने में सहायता की। ज्योतिसर महाभारत के दौरान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को गीता का उपदेश देने के लिए प्रसिद्ध है। विद्यार्थियों ने यहाँ गीता के शाश्वत सिद्धांतों को समझा और भक्तिकालीन कवियों द्वारा गीता के प्रभाव को अपने साहित्य में किस प्रकार समाहित किया गया, इस पर विचार-विमर्श किया। धरोहर संग्रहालय हरियाणा की लोक संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। यहाँ विद्यार्थियों ने भक्तिकालीन संतों की कृतियों में वर्णित ग्रामीण जीवन, लोक परंपराओं और भक्ति आंदोलन के प्रभावों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। ब्रह्म सरोवर इस यात्रा का अंतिम पड़ाव रहा। इस पवित्र स्थल के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को जानने के साथ-साथ विद्यार्थियों ने कृष्ण भक्ति से जुड़े संतों की काव्य रचनाओं में जल तत्व और तीर्थ स्थलों की महत्ता पर चर्चा की। शैक्षिक दृष्टि से इस यात्रा से विद्यार्थियों में महाभारत, गीता और कृष्ण भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता को वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समझने में मदद मिली और साथ ही विद्यार्थियों में साहित्यिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक विषयों के प्रति जिज्ञासा बढ़ी और उन्होंने इसे अकादमिक शोध से जोड़ने का प्रयास किया। इस यात्रा में हिंदी एम.ए., बी.ए. और ऑनर्स के 27 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे उनकी भक्तिकालीन कृष्ण साहित्य के प्रति गहरी रुचि प्रदर्शित हुई। विद्यार्थियों ने इस यात्रा को अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक पाया। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की शैक्षिक यात्रा विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुझान पैदा करती है और भक्तिकालीन कृष्ण साहित्य में शोध के लिए भी गहन समझ विकसित करती है।

चंडीगढ़ 18 अप्रैल (आशीष): सैक्टर-36 के मेहर चंद महाजन डी.ए.वी. महिला महाविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने भक्तिकालीन कृष्ण साहित्य को जानने और समझने की दृष्टि से कुरुक्षेत्र का शैक्षिक दौरा आयोजित किया। इस यात्रा में कृष्ण संग्रहालय, ज्योतिसर, ब्रह्म सरोवर, धरोहर संग्रहालय का दौरा किया गया। (परमजीत)

MCM holds educational tour to Kurukshetra to understand Krishna literature of Bhakti period

RAJIV JAIN
CHANDIGARH, APR 18

The Postgraduate Hindi Department of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh, organised an educational tour to Kurukshetra with the objective of providing students an opportunity to understand the context of Krishna literature, written during the Bhakti period, from the historical and cultural point of view. Visit to Krishna Museum, Jyotisar, Brahma Sarovar, and Dharohar Museum, provided valuable insights into Krishna literature. The students observed various paintings, sculptures and manuscripts related to the life of Lord Krishna in the Krishna Museum. The artifacts displayed there helped in understanding the various forms of Krishna described in Bhakti period literature. Visit to Jyotisar, which is famous for the preaching of Gita by Shri Krishna to Arjuna during Mahabharata, helped students assimilate the eternal principles of Gita, and comprehend the influence of Gita on the literature of the Bhakti period poets.

MCM students explore Krishna Bhakti through Kurukshetra tour

@ The Savera Times Network

Chandigarh: The Postgraduate Hindi Department of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh, organized an educational tour to Kurukshetra to deepen students' understanding of Krishna literature from the Bhakti period. Key stops included the Krishna Museum, Jyotisar, Brahma Sarovar, and the Dharohar Museum. Students explored paintings, sculptures, and manuscripts at the Krishna Museum, which illustrated the many forms of Lord Krishna depicted in Bhakti literature. At Jyotisar, where Krishna preached the Gita, students reflected on its philosophical impact on Bhakti poetry. The Dharohar Museum offered insight into Haryana's folk culture, helping students connect rural traditions with themes in Bhakti writings.

A glimpses of the tour

एमसीएम ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कविता लेखन कार्यशाला और कवि सम्मेलन का आयोजन किया

चंडीगढ़, स्टेट समाचार। विज

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने संवाद साहित्य मंच, चंडीगढ़ के सहयोग से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कविता लेखन कार्यशाला और कवि सम्मेलन का आयोजन किया। कविता लेखन कार्यशाला का संचालन संवाद साहित्य मंच के अध्यक्ष प्रेम विज, संवाद साहित्य मंच के उपाध्यक्ष डॉ. विनोद शर्मा और अखिल भारतीय कवि परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष, डॉ. अनीश गर्ग सरीखे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत कवियों द्वारा किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए श्री प्रेम विज ने कहा कि कविता वह संवेदना है जो एक दिल से दूसरे दिल को छू जाती है, यह जीवन भर हमारे साथ रहती है। उन्होंने कविता के विभिन्न दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालते हुए कविता के विभिन्न रूपों पर भी चर्चा की। डॉ. विनोद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कविता का वितान व्यापक है, उन्होंने प्रतिभागियों को कविता के विभिन्न रूपों से भी अवगत कराया। कविता के लिए मौलिक भावों के सृजन पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कविता के सृजन के लिए विचारों को पोषित करने की आवश्यकता है। डॉ. अनीश गर्ग ने कहा कि कविता मानव मन के भीतर से जन्म लेती है, उन्होंने यह भी कहा कि कविता विचारों, कल्पनाओं को चित्रित करने का विस्तृत कैनवास होने के साथ साथ मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। कविता लेखन की बारीकियों को साझा करने के साथ ही डॉ. गर्ग ने प्रतिभागियों को जनचेतना और हाशिये के समाज की आवाज बनने के लिए कवि के दायित्व पर भी चर्चा की। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन काव्य प्रेमियों के लिए एक उपहार था, जिसमें प्रसिद्ध कवियों ने जीवन के विभिन्न रंगों को दर्शाते हुए प्रेम, आशा, मानव अस्तित्व, रिश्ते, दिव्यता और सामाजिक मुद्दों को व्यक्त करते हुए अपने शब्दों से जादू बिखेरा। सम्मेलन के दौरान अपनी

रचनाएँ प्रस्तुत करने वाले अन्य कविगणों में डॉ निशा भार्गव, श्री प्रेम विज, डॉ. नीरू मित्तल, डॉ. अनीश गर्ग, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. प्रज्ञा शारदा, श्री विमल गुगलानी, श्री यश कंसल, श्री अशोक नादिर, श्री दीपक शर्मा चनारथल, श्री सुदर्शन सिंह मावी, डॉ. मृदुला शर्मा, डॉ. जैसमीन आनंद, डॉ. अमरदीप कौर, डॉ. सीमा कंवर, डॉ. सुनैना जैन, सुश्री आँचल मेहता, डॉ. अनुभूति शर्मा, डॉ. सुनीता कुमारी और डॉ. दीपशिखा शर्मा शामिल थे। इस सम्मेलन में प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने रिश्ते और किताबें अपनी दो स्वरचित कविताएँ प्रस्तुत कीं। जहाँ 'रिश्ते' कविता ने मानवीय रिश्तों की गहराई का भाव व्यक्त किया, वहीं 'किताबें' कविता ने पढ़ने की घटती प्रवृत्ति पर चिंता जताई, जिससे श्रोताओं को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि ऐसे परिदृश्य में समृद्ध साहित्य की विरासत को कौन आगे बढ़ाएगा।

एमसीएम कॉलेज में कविता लेखन कार्यशाला और कवि सम्मेलन का आयोजन

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने संवाद साहित्य मंच, चंडीगढ़ के सहयोग से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कविता लेखन कार्यशाला और कवि सम्मेलन का आयोजन किया। कविता लेखन कार्यशाला का संचालन संवाद साहित्य मंच के अध्यक्ष श्री प्रेम विज, संवाद साहित्य मंच के उपाध्यक्ष डॉ. विनोद शर्मा और अखिल भारतीय कवि परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष, डॉ. अनीश गर्ग सरीखे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत कवियों द्वारा किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए प्रेम विज ने कहा कि कविता वह संवेदना है जो एक दिल से दूसरे दिल को छू जाती है, यह जीवन भर हमारे साथ रहती है। उन्होंने कविता के विभिन्न दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालते हुए कविता के विभिन्न रूपों पर भी चर्चा की। डॉ. विनोद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कविता का वितान व्यापक है, उन्होंने प्रतिभागियों को कविता के विभिन्न रूपों से भी अवगत कराया। कविता के लिए मौलिक भावों के सृजन पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कविता के सृजन के लिए विचारों को पोषित करने की आवश्यकता है । डॉ. अनीश गर्ग ने कहा कि कविता मानव मन के भीतर से जन्म लेती है, उन्होंने यह भी कहा कि कविता विचारों, कल्पनाओं को चित्रित करने का विस्तृत कैनवास होने के साथ साथ मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन काव्य प्रेमियों के लिए एक उपहार था, जिसमें प्रसिद्ध कवियों ने जीवन के विभिन्न रंगों को दर्शाते हुए प्रेम, आशा, मानव अस्तित्व, रिश्ते, दिव्यता और सामाजिक मुद्दों को व्यक्त करते हुए अपने शब्दों से जादू बिखेरा। सम्मेलन के दौरान अपनी रचनाएँ प्रस्तुत करने वाले अन्य कविगणों में डॉ निशा भार्गव, प्रेम विज, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अनीश गर्ग, डॉ. नीरू मित्तल, डॉ. प्रज्ञा शारदा, विमला गुगलानी, यश कंसल, अशोक नादिर, दीपक शर्मा चनारथल, गुरदर्शन सिंह मावी, डॉ. मृदुला शर्मा, डॉ. जैसमीन आनंद, डॉ. अमरदीप कौर, डॉ. सीमा कंवर, डॉ. सुनैना जैन, सुश्री आँचल मेहता, डॉ. अनुभूति शर्मा, डॉ. सुनीता कुमारी और डॉ. दीपशिखा शर्मा शामिल थे।

एमसीएम कॉलेज में कविता लेखन कार्यशाला और कवि सम्मेलन का आयोजन

ब्यूरो, गुड़गांव मेल।

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने संवाद साहित्य मंच, चंडीगढ़ के सहयोग से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कविता लेखन कार्यशाला और कवि सम्मेलन का आयोजन किया।

कविता लेखन कार्यशाला का संचालन संवाद साहित्य मंच के अध्यक्ष श्री प्रेम विज, संवाद साहित्य मंच के उपाध्यक्ष डॉ. विनोद शर्मा और अखिल भारतीय कवि परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष, डॉ. अनीश गर्ग सरीखे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत कवियों द्वारा किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए प्रेम विज ने कहा कि कविता वह संवेदना है जो एक दिल से दूसरे दिल को छू जाती है, यह जीवन भर हमारे साथ रहती है। उन्होंने कविता के विभिन्न दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालते हुए

कविता के विभिन्न रूपों पर भी चर्चा की। डॉ. विनोद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कविता का वितान व्यापक है, उन्होंने प्रतिभागियों को कविता के विभिन्न रूपों से भी अवगत कराया। कविता के लिए मौलिक भावों के सृजन पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कविता के सृजन के लिए विचारों को पोषित करने की आवश्यकता है । डॉ. अनीश गर्ग ने कहा कि कविता मानव मन के भीतर से जन्म लेती है, उन्होंने यह भी कहा कि कविता विचारों, कल्पनाओं को चित्रित करने का विस्तृत कैनवास होने के साथ साथ मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन काव्य प्रेमियों के लिए एक उपहार था, जिसमें प्रसिद्ध कवियों ने जीवन के विभिन्न रंगों को दर्शाते हुए प्रेम, आशा, मानव अस्तित्व, रिश्ते, दिव्यता और सामाजिक मुद्दों को व्यक्त करते हुए अपने शब्दों से जादू बिखेरा। सम्मेलन के दौरान अपनी रचनाएँ प्रस्तुत करने वाले अन्य कविगणों में डॉ निशा भार्गव, प्रेम विज, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अनीश गर्ग, डॉ. नीरू मित्तल, डॉ. प्रज्ञा शारदा, विमला गुगलानी, यश कंसल, अशोक नादिर, दीपक शर्मा चनारथल, गुरदर्शन सिंह मावी, डॉ. मृदुला शर्मा, डॉ. जैसमीन आनंद, डॉ. अमरदीप कौर, डॉ. सीमा कंवर, डॉ. सुनैना जैन, सुश्री आँचल मेहता, डॉ. अनुभूति शर्मा, डॉ. सुनीता कुमारी और डॉ. दीपशिखा शर्मा शामिल थे ।

एमसीएम ने हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता लेखन कार्यशाला और कवि सम्मेलन का आयोजन किया

चंडीगढ़, 13 सितम्बर (राम सिंह बराड़): मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग ने संवाद साहित्य मंच, चंडीगढ़ के सहयोग से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कविता लेखन कार्यशाला और कवि सम्मेलन का आयोजन किया। कविता लेखन कार्यशाला का संचालन संवाद साहित्य मंच के अध्यक्ष प्रेम विज, संवाद साहित्य मंच के उपाध्यक्ष डॉ. विनोद शर्मा और अखिल भारतीय कवि परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष, डॉ. अनीश गर्ग सरीखे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत कवियों द्वारा किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए प्रेम विज ने कहा कि कविता वह संवेदना है जो एक दिल से दूसरे दिल को छू जाती है, यह जीवन भर हमारे साथ रहती है। उन्होंने कविता के विभिन्न दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालते हुए कविता के विभिन्न रूपों पर भी चर्चा की। डॉ. विनोद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए

एमसीएम कॉलेज चंडीगढ़ में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता लेखन कार्यशाला और कवि सम्मेलन दौरान प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव कवियों का सम्मान करते हुए। (छायाः गुरिंदर सिंह)

कहा कि कविता का वितान व्यापक है, उन्होंने प्रतिभागियों को कविता के विभिन्न रूपों से भी अवगत कराया। कविता के लिए मौलिक भावों के सृजन पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कविता के सृजन के लिए विचारों को पोषित करने की आवश्यकता है। डॉ. अनीश गर्ग ने कहा कि कविता मानव मन के भीतर से जन्म लेती है, उन्होंने यह भी कहा कि कविता विचारों, कल्पनाओं को चित्रित करने का विस्तृत कैनवास होने के साथ साथ मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। कविता लेखन की बारीकियों को साझा करने के साथ ही डॉ. गर्ग ने प्रतिभागियों को जनचेतना और हाशिये के समाज की आवाज बनने के लिए कवि के दायित्व पर भी चर्चा की। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन काव्य प्रेमियों के लिए एक उपहार था, जिसमें प्रसिद्ध कवियों ने जीवन के विभिन्न रंगों को दर्शाते हुए प्रेम, आशा, मानव अस्तित्व, रिश्ते, दिव्यता और सामाजिक मुद्दों को व्यक्त करते हुए अपने शब्दों से जादू बिखेरा। सम्मेलन के दौरान अपनी रचनाए प्रस्तुत करने वाले अन्य कविगणों में डॉ निशा भार्गव, प्रेम विज, डॉ. नीरू मित्तल, डॉ. अनीश गर्ग, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. प्रज्ञा शारदा, विमल गुगलानी, यश कंसल, अशोक नादिर, दीपक शर्मा चनारथल, गुरदर्शन सिंह मावी, डॉ. मृदुला शर्मा, डॉ. जैसमीन आनंद, डॉ. अमरदीप कौर, डॉ. सीमा कंवर, डॉ. सुनैना जैन, सुश्री आँचल मेहता, डॉ. अनुभूति शर्मा, डॉ. सुनीता कुमारी और डॉ. दीपशिखा शर्मा शामिल थे। इस सम्मेलन में प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने 'रिश्ते' और 'किताबें' अपनी दो स्वरचित कविता प्रस्तुत कीं। जहां 'रिश्ते' कविता ने मानवीय रिश्तों की गहराई का भाव व्यक्त किया, वहीं 'किताबें' कविता ने पढ़ने की घटती प्रवृत्ति पर चिंता जताई, जिससे श्रोताओं को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि ऐसे परिदृश्य में समृद्ध साहित्य की विरासत को कौन आगे बढ़ाएगा।